

24/9/24

पत्रावली पेश हुई समयपत्र
पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त
वकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश
दिनांक...22/10/24...को पेश हो।

आदेश से रीडर

18/11/24 -> पत्रावली पेश हुई। जार्वी अधिकारी उपस्थित एवं विपरीत
उपस्थित नहीं है। गोर भीलमडा से राइले के प्रस्ताव भिजाए
हैं। गोर भीलमडा से राइले के प्रस्ताव तलब कर उद्धार कि.
18/11/24 को बैठा हो।

~~आदेश~~
पीठासीन

18/11/24 -> पत्रावली पेश हुई जार्वी अधिकारी उपस्थित है।
वि.सं. तहसीलदार भीलमडा ने अपनी पत्र क्रमांक
594 दि. 12/11/24 के निवेदन लिमा जाया
है कि जार्वी ने राइले हेतु निजी शक्ति
प्रभ कर ली है। अब राइले की कोई आवश्यकता
नहीं है। जार्वी राइला उद्धार में कार्रवाही नहीं
पाहता है। अतः जार्वी के स्वयं की सहमति
से इस उद्धार में कार्रवाही करना ही
जारी है। उद्धार के फसल सुधार होकर
नम्बर से कम लिमा जावे।

~~आदेश~~
अधिकारी
पीठासीन